मेरा गाँव–मेरा गौरव : कृषिवानिकी किसानों के द्वार पर

झांसी 16 नवम्बर, 2021। केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झाँसी द्वारा आज प्राथमिक विद्यालय ग्राम गणेशगढ़ ब्लॉक–बबीना, झाँसी में बाल दिवस श्रृंखला के तत्वाधान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय के सभी छात्र/छात्राओं ने इस कार्यक्रम में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया तथा एक बाल मेला की प्रदर्शनी भी लगाई, जिसमें बच्चों द्वारा रचनात्मक चीजें दिखाई गयी जो उनकी उद्यमिता को दर्शाती हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये संस्थान के निदेशक डॉ. ए. अरूणाचलम ने स्कूली छात्रों को बच्चों के अधिकार, देखभाल और शिक्षा के अधिकारों की जानकारी देते हुये उनका मनोवल बढ़ाया। उन्होंने बताया कि कैसे अपने शारिरिक एवं मानसिक विकास करते हुये एक अच्छा भविष्य सुनिश्चित करना है। उन्होंने भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू के विचारों को दोहराते हुये कहा कि आज के बच्चे कल के उज्जवल भारत का निर्माण करेंगे, इसीलिए बच्चों का सतत् विकास जरूरी है। बाल दिवस के अवसर पर हम सभी को मिलकर बाल अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाना चाहिए। प्राथमिक विद्यालय गणेशगढ़ के प्राधानाध्यापक श्री आर. के. गौतम जी ने बाल दिवस के अर्थ को सार्थक करने हेतु मौलिक बाल अधिकारों पर जोर दिया। डॉ. आर. पी. द्विवेदी ने भारत सरकार द्वारा चलायी जा रही बच्चों के विकास, उनकी शिक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं की जानकारी दी।

कार्यक्रम में श्री बालकदास राजपूत ने कहा कि उनको पेड़ बच्चों से ज्यादा प्रिय हैं। केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झाँसी द्वारा दी गयी तकनीकी जानकारी एवं प्रशिक्षण से किसानों को खेती से अत्याधिक लाभ में योगदान मिला है। उन्होने कहा कि ग्राम गणेशगढ़ में ज्यादातर किसान कार्बनिक खेती जो कि रासायन मुक्त है, करते हैं। संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा ''मेरा गाँव–मेरा गौरव'' योजना के तहत ग्राम गणेशगढ़ के किसानों के यहाँ भ्रमण किया गया। वैज्ञानिकों द्वारा गाँव के किसान भाईयों को विभिन्न कृषिवानिकी पद्धतियों की जानकारी दी गयी। वैज्ञानिकों की टीम ने किसानों के खेतों का भी भ्रमण किया तथा कृषि से संबंधित उनकी परेशानियाँ जानने की कोशिश की। भारत सरकार द्वारा संचालित कृषि एवं ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं से किसानों को अवगत कराया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. अरूणाचलम ने किसानों को बहु–उपयोगी पेड़ों जैसे– अमरूद, सहजन, करौंदा, सीताफल, सागौन, मालाबारनीम, बेर इत्यादि के पौधे किसानों को भेंट किये। इस कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिक, तकनीकी अधिकारी एवं प्रगतिशील कृषकगण श्री वीर सिंह राजपूत, श्री बालकदास राजपूत एवं श्री हरीशंकर विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समन्वयन एवं संचालन डॉ. हृदयेश अनुरागी तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. आशा राम ने किया।

प्राथमिक विद्यालय गणेशगढ़ विकासखण्ड बबीना (झाँसी)
बाल दिवस

प्राथमिक विद्यालय गणेशगढ़ विकासखण्ड बबीना (झाँसी)
बाल दिवस

कृषि फार्म
कृषि वानिकी प्रक्षेत्र
बालक दास राजपूत
ग्रा. गनेशगढ़ जिला- झाँसी

मेरा गौरव